

कुल प्रश्नों की संख्या : 25]
Total No. of Questions : 25]

[कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 9
[Total No. of Printed Pages : 9

C-232033

विषय : पंजाबी (सामान्य)
Subject : Punjabi (General)

समय : 3 घंटे]
Time : 3 Hours]

[पूर्णांक : 100
[Maximum Marks : 100

प्र.कं.		आबंटित अंक
	<p>(क) धाड़ी घाटां बुरे:-</p> <p>(i) अंगरेजों ने धाधा रामसिंघ लुं देस निवासा दे रे - - - - - बुरे रिता।</p> <p>(ii) उर ईर घेरे नास - - - - - घेसह हा जतन करदा मी।</p> <p>(iii) भाडिगिआन मरुतसा नादक दे - - - - - मैक गन।</p> <p>(iv) पुराहे ममिआं ईछ मैहां - - - - - उउं जांहीआ मन।</p> <p>(v) रिदुसतान हा मैकसपीअर - - - - - है।</p>	<p>1x5 = 5</p>
प्रश्न (2)	"मेला सिंघ" विछे मर गिआ।	2
प्रश्न (3)	पण्डितान लै धाधिआं ही बुरे लुं लजगन ईछ बिने रुपए रितां ?	2
प्रश्न (4)	"नामयागी" बुरे रिदे गन ?	2
प्रश्न (5)	उनीही मदी दे पण्डिते अंय ईछ पंजाब उं बुरे राज करदा मी।	2

प्र.क्रं.	आबंधित अंक
प्रश्न(6) "घेघे" रूँह हुँदी है।	(2)
प्रश्न(7) ਤਿੰਨ ਆਧੁਨਿਕ ਵਾਰਤਕ ਕਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਇੱਕ-ਇੱਕ ਰਚਨਾ ਸਹਿਤ ਲਿਖੋ।	(3)
प्रश्न(8) हीमाना हिंदू म. गुरुधर्म सिंघ नं आयहे उमह दए बुझ हिंसा अंगरेजी ते अंतला उतरा पंजाधी हिंदू बिछे बिता।	(3)
प्रश्न(9) ढापे पिंडे हालिआं ते लेखक दे हठेरिआं उं बिछे ताता उदर लिआ।	(5)
<u>OR</u>	
वालीराम नुं उर पूत उ उर ज़ती दे लेख आयहा बिछे हंमदे उत।	
प्रश्न(10) "ठेले" मंग घारे उमी की जाहदे है? उस घारे संघेप जाहवारी बिछे।	(5)
<u>OR</u>	
घाघा राम सिंघ नं जे उधरेम हिंडे उत, ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੰਧ ਵਿੱਚ ਲਿਖੋ।	

प्र.कं.		आबंटित अंक
प्रश्न(11)	<p>“धेधे” का मादगी छुँ लैकछर “काढी छुँगा रलील - गबुँला उँ अमर पाछी उँदा उँ।” इस प्रमेग का सिखर करहिआं धेधे दे मादे परिगदे धारे लिधे।</p>	5
	<p style="text-align: center;"><u>OR</u></p> <p>बेमल बही ने मधदां धारे री रिग है।</p>	
प्रश्न(12)	<p>“साग मुँमद” दीआं दे रलनादां हे नां लिधे।</p>	2
प्रश्न(13)	<p>“मादीं जिनुं दे टल” बहिता दिँल बही वी बहिदा छारुँदा है।</p>	4
	<p style="text-align: center;"><u>OR</u></p> <p>“मेगी छुँकल दे दिँल छेर” बहिता दा बेंदगी गुह लिधे।</p>	
प्रश्न(14)	<p>“छँला” बहिता दीआं छार पंरतीआं लिधे।</p>	5
	<p style="text-align: center;"><u>OR</u></p> <p>“धिडुँदे” बहिता दीआं छार पंरतीआं लिधे।</p>	

प्र.कं.		आबंटित अंक
प्रश्न (15)	"प्रीतिम मिथ्य महीरा" छारे छार पंक्तिअं लिखरे जेहे, उनुं दीअं हे रचनाएं हे नां लिखे।	(4)
	<u>OR</u>	
	"पू. मंगल मिथ्य" छारे छार पंक्तिअं लिखरे जेहे, उनुं दीअं हे रचनाएं हे नां लिखे।	
प्रश्न (16)	"रेम पिआर" कविता हे अघार ते हेमो वि छुंवे ने आपडे पुंउर हू विउं मरहा दिंता?	(4)
	<u>OR</u>	
	"मंग द गल" कविता द बेदरी गद लिखे।	
प्रश्न (17)	"बेसुमार बेअंत सुआमी उरुं अंत न किनगी लगीअे" उरुं द गद अरथ स्पष्ट करे।	(5)
	<u>OR</u>	

(6)

प्र.कं.		आबंटित अंक
	" जीम न हठै मानसर " पठित्री टिछे भ्राणी गुरराम जी नै की मुनेगा रिंता है।	
प्रश्न (18)	जेठ लिखे राटि-टेटिकां ही पूमंग मजिउ टिकाधिका करे :-	⑥
	" मिठ बोलका जी गरि मजह सुआमी मंग। उठे मीमलि यकी जी उठे करे ना होले बठिका। "	
	<u>OR</u>	
	" भापि उला मउ मंग उला, उला उला मरना करि रेखे। भापि धुरा मउ मंग धुरा मउ रे धुरा धुरे रे रेखे। "	
प्रश्न (19)	मुँय करके लिखे :- दिरिजा, मंगर, धंगता, गिगहा	②

प्र.कं.		आबंटित अंक
प्रश्न (२०)	द्विषी सभद लिखो - दयीभा, मिभाहा, सप्यहा, मुँका	२
प्रश्न (२१)	हाकां टिँल हरेते :- (i) डीक - डकक (ii) रुजगार (iii) मनेरसन	३
प्रश्न (२२)	जेठ लिखीमां वगाहतां पुगीमां करे :- (i) घुरे धडी नैक ते _____। (ii) पँधी हा कुँता ना _____। (iii) मे मुनिभाह दी टिँक _____।	३
प्रश्न (२३)	भापहे सकूल दे मुँध अयिभापक जी नूँ भापही गगीधी दी गलत हँस के डीस माही लही मरजी लिखो। ०२ =	६
	जनम दिन दे उँगे लही भापहे हाहा जी नूँ पँतहाह दी टिँगी लिखो।	

प्र.कं.		आवृत्ति अंक
प्रश्न (24)	<p>येठं लिखे किसे ईक हिसे, उं लंगडंग २५० सुधदां हिँच लेख लिखे:-</p> <p>(i) मूी गुरु मोधिँर सिँय जी ।</p> <p>(ii) रेदल टी. टी हर ज्ञा मुराप ।</p> <p>(iii) घेरुजगागी दी ममँसिआ ।</p> <p>(iv) रेणी ईक तिँउगर ।</p>	(10)
प्रश्न (25)	<p>येठ लिखे पैगगूट नुँ पडु वे प्रसनां दे उँउर लिखे:-</p> <p>" मरुँजिनी नाएडु मँदी देस - मेहरा मी उे देस ही अजादी लदी उर ममे बुरघानी देह लदी उतपर ररिँदी मी। मगतमा रांयी जी ही आप ही निमुराम मेहा उे नियर सुधमीअत हा आदर करे मर। ईक हार रांगरम मेमन ही पूयानगी कररिँआं जेँरिँआं उेगनां रिग मी, जिम आमह उँउं मँने घिठाएआ गिआ जे, ईँके मरुँजिनी नुँ घिठा देहा छागीहा मी। ईउ ठीक जे</p>	

प्र.कं.		आबंटित अंक
	<p>कि मरौजिनी ने सिंदगी के पहिले हिमें दिँ दतोर ऐक बटिँतरी के सिंदगी घमर कीती, पर जेहेँ उम हा बही गिरहा बरम बुमी के खतर दिँ छँ मँगे निँतगिआ ताँ उग निरबै उँ कँ मरहाँ हांग सुझही रगी।”</p>	
	<p><u>पूसन:-</u></p>	
	<p>(i) मरौजिनी जी ही मधमीअत के हँडे गृह की मन?</p>	①
	<p>(ii) उमने आपहा मुँदसा जीहन बिहेँ कँपादिआ?</p>	①
	<p>(iii) उग बिम उराँ ही देम-मेहवा मी?</p>	①
	<p>(iv) मगउमा गांधी ने बंगरम मैसन ही पूयातगी बरदिआँ दिँर हाग की बिग ?</p>	①